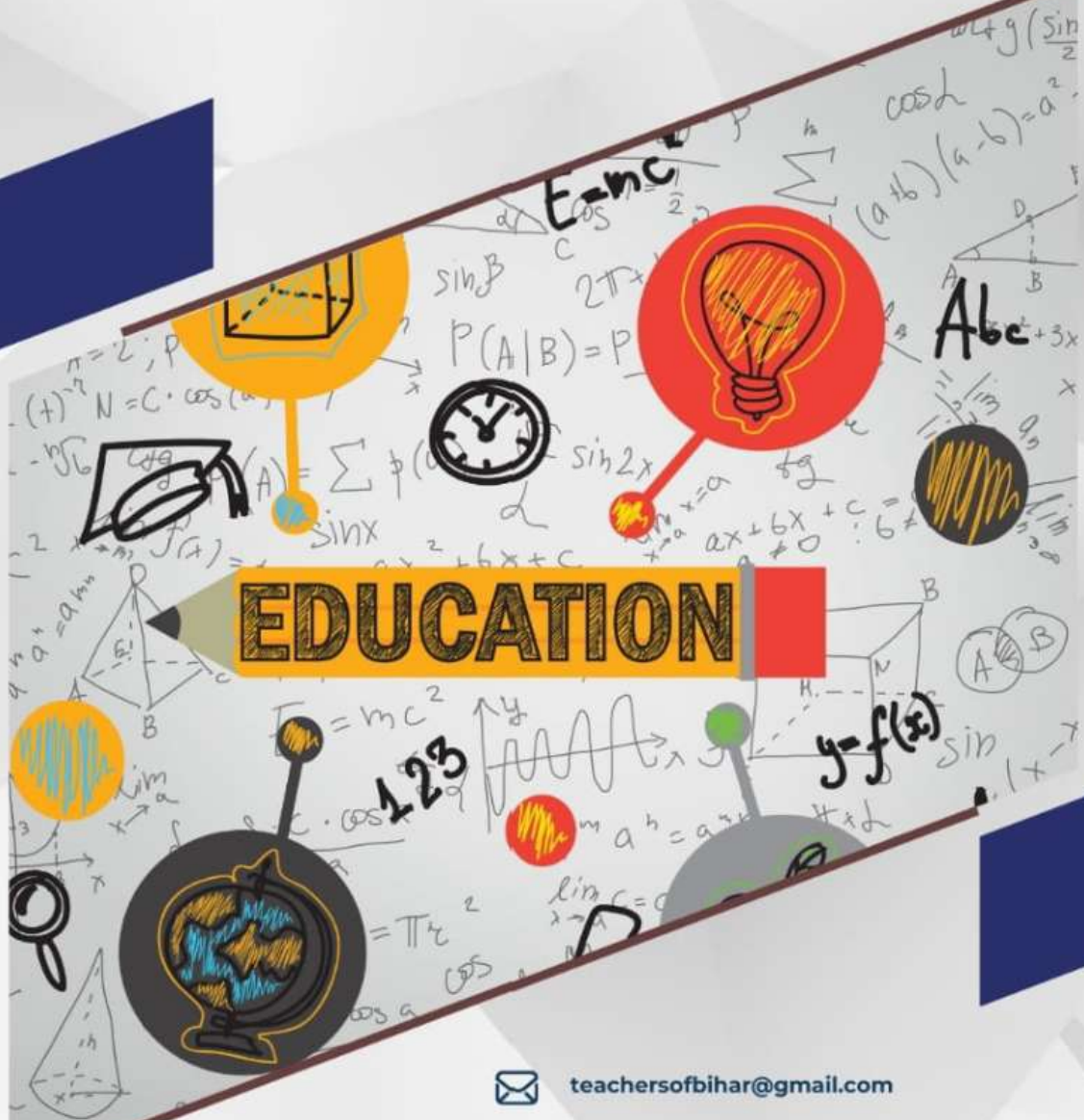




TEACHERS OF BIHAR

# दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें



teachersofbihar@gmail.com



<https://twitter.com/teachersofbihar>



<https://www.youtube.com/c/teachersofbihar>



**07 मार्च 2025**

**Teachers of Bihar**  
The Change Makers

**आज का सुविचार**

**आशा उत्साह की जननी है।**

**प्रेमचंद**



**राकेश कुमार**



[www.teachersofbihar.org](http://www.teachersofbihar.org)



विक्रम संवत् 2081, फाल्गुन माह, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, शक्रवार 07 मार्च 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल नं०– 7004859938 email : [ujjawal.shashidhar007@gmail.com](mailto:ujjawal.shashidhar007@gmail.com)

### आज का विचार

जीवन में कभी भी अपने आप को किसी से हीन या श्रेष्ठ भी न समझें, क्योंकि श्रेष्ठता अहंकार पैदा करती है और हीनता आत्मविश्वास को कम कर देती है ।



### आज के दिन

1876– अलेक्जेंडर ग्राहम बेल को टेलीफोन का पेटेंट मिला,

1939– दयाराम साहनी – भारत के प्रसिद्ध पुरातत्ववेत्ता थे।

1961– गोविंद बल्लभ पंत, उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी।

1. अज्ञेय का जन्म– हिन्दी के जाने माने लेखक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' का जन्म 7 मार्च, 1911 ई. को उत्तर प्रदेश में हुआ था। इनका बचपन अपने विद्वान पिता के साथ कश्मीर, बिहार और मद्रास में पुरातत्वावशेषों के बीच गुजरा था। इस कारण 'अज्ञेय' एकांत के सहज अभ्यासी हो गये थे। एम0 ए0 की पढ़ाई करने के समय क्रांतिकारी षडयंत्रों में भाग लेने के कारण गिरफ्तार कर लिये गये और 1930–34ई. तक जेल में रहने के बाद दो वर्ष घर पर नजरबंदी में बिताना पड़ा। कुछ वर्ष आकाशवाणी में रहे और सन् 1943–46 तक सेना में भी काम किया। प्रयोगवादी काव्यान्दोलन का प्रवर्तन 'तार सप्तक' के द्वारा 'अज्ञेय' ने किया। कवि, कथाकार, निबंधकार, समीक्षक, घुमक्कड़, नाटककार, पत्रकार, चित्रकार, मृतिकाशिल्प, चर्मशिल्प, बर्तनगिरी तथा फोटोग्राफर के रूप में अज्ञेय बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न व्यक्ति थे। अज्ञेय की काव्य रचनायें आँगन के पार द्वार, कितनी नावों में कितनी बार, सुनहरे शैवाल आदी प्रमुख हैं।

- संदर्भ: कक्षा 10 की हिन्दी की पाठ्यपुस्तक साहित्य भारती भाग-2 कतकी पुनो पाठ से जोड़कर चर्चा करें।

2. जन औषधि दिवस– प्रधानमंत्री की पहल पर 7 मार्च को हर साल "जन औषधि दिवस" के रूप में मनाया जाता है ताकि इस योजना के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा दिया जा सके। सभी को किफायती दारों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयों उपलब्ध कराने के लिए, नवंबर 2008 में भारत सरकार के रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग द्वारा प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) शुरू की गई थी।



### दिवस प्रेरणा

44

### गंगूबाई हंगल

( भारत की प्रसिद्ध ख्याल गायिका )

कभी बर्तन-गहने तक बेचने पड़े थे...



#### संघर्ष

गंगूबाई का जन्म एक देवदारी परिवार में हुआ था। उन दिनों जातिवाद बहुत प्रबल था। उनका ब्राह्मणों के घर प्रवेश निषेध था। विवाह के चार वर्षों के बाद ही पति का देहान्त हो गया। उन्हें कभी अपने गहने तो कभी घर के बर्तन तक बेच कर अपने बच्चों का लालन-पालन करना पड़ा। संगीत के प्रति उनका इतना लगाव था कि अपने गुरु के घर तक पहुँचने के लिये वह 30 किलोमीटर की यात्रा ट्रेन से पूरी करती थी और इसके आगे पैदल ही जाती थी। उन्होंने पंडित भीमसेन जोशी के साथ संगीत की शिक्षा ली।

#### सफलता

गंगूबाई ने बाधाओं से कभी हार नहीं मानी। भारतीय शास्त्रीय संगीत के किराना घराने का प्रतिनिधित्व कर हिन्दुरतानी संगीत के क्षेत्र में अपना स्थान बनाया। वे ऑल इण्डिया रेडियो में भी एक नियमित आवाज थीं। उन्हें कर्नाटक राज्य से तथा भारत सरकार से कई सम्मान व पुरस्कार प्राप्त हुए। वर्ष 1962 में कर्नाटक संगीत नृत्य अकादमी पुरस्कार, 1971 में पद्मभूषण, 1973 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, 1996 में संगीत नाटक अकादमी की सदस्यता, 1997 में दीनानाथ प्रतिष्ठान, 1998 में गणिक रत्न पुरस्कार तथा वर्ष 2002 में उन्हें पद्मविभूषण से सम्मनित किया गया। वे कई वर्षों तक कर्नाटक विश्वविद्यालय में संगीत की प्राचार्या रहीं।





## दिवस विशेष

7 मार्च



मधु प्रिया

## अज्ञेय का जन्म 7 मार्च



सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन "अज्ञेय" का जन्म 7 मार्च, 1911 को हुआ था। कवि, कथाकार, ललित-निबन्धकार, सम्पादक और सफल अध्यापक थे। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के कुशीनगर में हुआ। बचपन लखनऊ, कश्मीर, बिहार और मद्रास में बीता। प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा पिता की देख रेख में घर पर ही संस्कृत, फारसी, अंग्रेजी और बांग्ला भाषा व साहित्य के अध्ययन के साथ हुई। बी.एस.सी. करके अंग्रेजी में एम.ए. करते समय क्रांतिकारी आन्दोलन से जुड़ गये। 1930 से 1936 तक विभिन्न जेलों में कटे। पत्र, पत्रिकाओं से भी जुड़े रहे। 1964 में आँगन के पार द्वार पर उन्हें साहित्य अकादमी का और 1978 में कितनी नावों में कितनी बार पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला। इनकी प्रमुख कृतियाँ हैं; कविता संग्रह: भग्नदूत 1933, चिन्ता 1942, इत्यलम् 1946, हरी घास पर क्षण भर 1949, बावरा अहेरी 1954, इन्द्रधनु रौंदे हुये ये 1957, अरी ओ करुणा प्रभामय 1959, आँगन के पार द्वार 1961, कितनी नावों में कितनी बार (1967), क्योंकि मैं उसे जानता हूँ (1970), सागर मुद्रा (1970), पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ (1974), महावृक्ष के नीचे (1977), नदी की बाँक पर छाया (1981), ऐसा कोई घर आपने देखा है (1986), प्रिज़न डेज़ एण्ड अदर पोयम्स (अंग्रेजी में, 1946)। कहानियाँ: विपथगा 1937, परम्परा 1944, कोठरीकी बात 1945, शरणार्थी 1948, जयदोल 1951; चुनी हुई रचनाओं के संग्रह: पूर्वा (1965), सुनहरे शैवाल (1965), अज्ञेय काव्य स्तबक (1995), सन्नाटे का छन्द, मरुथल; संपादित संग्रह: तार सप्तक, दूसरा सप्तक, तीसरा सप्तक, पुष्करिणी (1953)। आपने उपन्यास, यात्रा वृत्तान्त, निबंध संग्रह, आलोचना, संस्मरण, डायरियां, विचार गद्य: और नाटक भी लिखे। इनका निधन 4 अप्रैल 1987 को हुआ।





# Teachers of Bihar

The change makers



पुण्यतिथि विशेष 07 मार्च



महान स्वतंत्रता सेनानी और  
उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, भारत रत्न  
**गोविंद बल्लभ पंत जी**  
की पुण्यतिथि पर विनम्र अभिवादन

गोविंद बल्लभ पंत

*Govind Ballabh Pant,*

जन्म: 10 सितम्बर 1887; मृत्यु: 7 मार्च, 1961) उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता सेनानी थे। इनका मुख्यमंत्री कार्यकाल 15 अगस्त, 1947 से 27 मई, 1954 तक रहा। बाद में ये भारत के गृहमंत्री भी (1955-1961) बने। भारतीय संविधान में हिन्दी भाषा को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने और जमींदारी प्रथा को खत्म कराने में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। भारत रत्न का सम्मान उनके ही गृहमन्त्रित्व काल में आरम्भ किया गया था।





# विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

## तत्व (Element) सीजियम (Caesium)

संकेत --  
(Symbol)

**Cs**

परमाणु संख्या -55  
(Atomic no.)

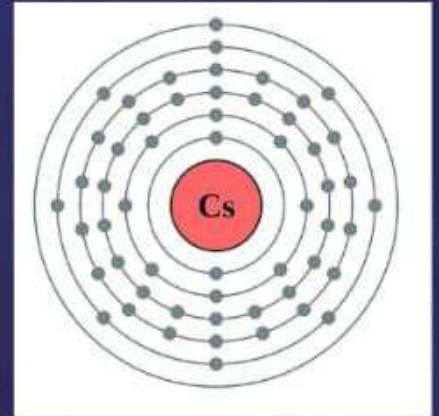
परमाणु भार -132.90  
(A. weight)

समूह (group)-1  
आवर्त (period)-6

ब्लॉक (block)-s  
संयोजकता (valency)-1

समस्थानिक (isotope)-1

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -[Xe]6s<sup>1</sup>



### खोज

1860, राबर्ट बन्सन, गूस्ताव किरचॉफ

### भौतिक गुण

नरम, चांदी सुनहरा, दुर्लभ, तरल क्षार धातु

### रासायनिक गुण

अत्यधिक प्रतिक्रियाशील, जल हवा से अत्यधिक

प्रतिक्रियाशील

### उपयोग

आप्टिकल ग्लास, परमाणु बड़ी, वैक्यूम ट्यूब, चिकित्सा,

उत्प्रेरक





# बिहार दिवस विशेष

07 मार्च

आइए, अपने बिहार को जाने !

01 मार्च से 22 मार्च



नीतीश कुमार  
बिहार के मुख्यमंत्री



आरिफ़ मोहम्मद खान  
बिहार के राज्यपाल

13. बौद्ध धर्म और जैन धर्म की शुरुआत बिहार में ही हुई थी।
14. बिहार में स्थित नालंदा विश्वविद्यालय दुनिया का सबसे पुराना विश्वविद्यालय था।
15. महात्मा गांधी ने आजादी की लड़ाई की शुरुआत बिहार के चंपारण से की थी, जिसे चंपारण आंदोलन के नाम से जाना जाता है।

राकेश कुमार





# वैज्ञानिक कारण



आंधी आने से पहले  
हवा शान्त हो जाती है,  
क्यों?

ताप के कारण स्थान विशेष की हवा फैलकर अगर बगल के स्थानों में चली जाती है। ऐसा होने से वायुमंडल में एक रिक्ति पैदा होती है। इस कारण यहां की हवा शान्त मालूम पड़ती है, लेकिन उस स्थान को भरने के लिए चारों तरफ की हवा दौड़ पड़ती है, जिस कारण आंधी आ जाती है।





Teachers of Bihar  
The Change Makers



# शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 07.03.2025

## अंतर्निहित रूप

भाषा विज्ञान के क्षेत्र में स्वर विज्ञान के साथ-साथ आकृति विज्ञान के कुछ मॉडलों में, किसी शब्द या रूपिम का अंतर्निहित प्रतिनिधित्व ( यूआर ) या अंतर्निहित रूप ( यूएफ ) वह अमूर्त रूप होता है जिसे किसी शब्द या रूपिम के लिए किसी भी ध्वन्यात्मक नियम को लागू करने से पहले माना जाता है।





**TOB**  
खेल कॉर्नर



# वनडे में चेज करते हुए सबसे ज्यादा रन

8720

मैच: 236



सचिन तेंदुलकर

8063

मैच: 166



विराट कोहली

6115

मैच: 155



रोहित शर्मा



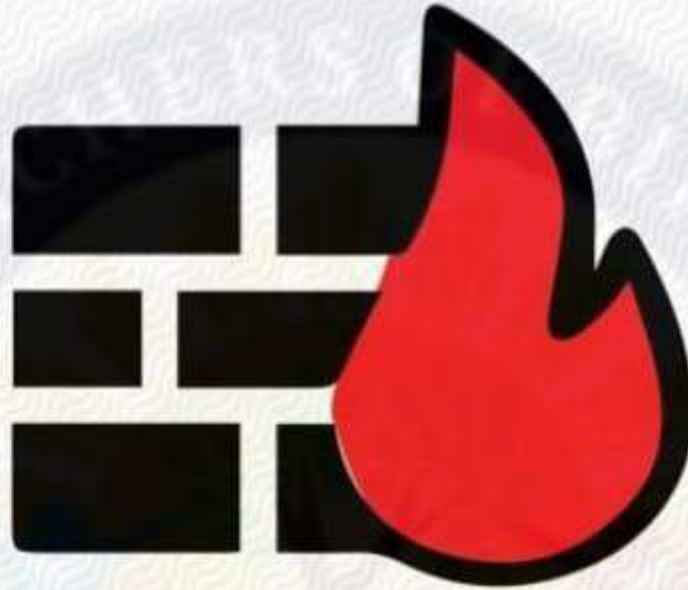


हेल्पलाइन नंबर :

1930

# CYBERमंत्र

साईबर शिक्षा से साईबर सुरक्षा



कंप्यूटर फ़ायरवॉल को  
हमेशा चालू रखें।



Madhu priya



शिकायत हेतु :

<https://cybercrime.gov.in>



विद्यालयी प्रणाली हेतु दिशानिर्देश:

<https://ciet.nic.in/pages.php?id=book-let-on-cyber-safetysecurity&ln=en&ln=en>

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान  
Central Institute of Educational Technology



[www.teachersofbihar.org](http://www.teachersofbihar.org)





## रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान



**इथियोपिया में एक 800 साल  
पुराना चर्च है इसे एक ही पत्थर को  
काटकर बनाया गया है।**





## ToB Photo of the day



उ० म० वि० गोथरा, ठाकुरगंज, किशनगंज



प्रा० वि० आदिवासी टोला मथुरा, फारबिसगंज, अररिया



प्रा० वि० शुभटोला, किसनदासपुर, कहलगांव



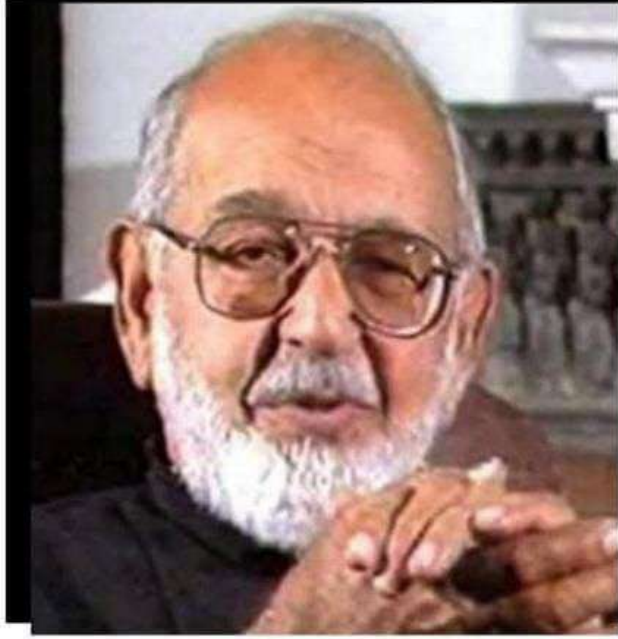
न० प्रा० वि० कमरदंगी, ठाकुरगंज, किशनगंज

संकलनकर्ता- पुष्पा प्रसाद





जयंती पर नमन।



7 मार्च 1911 - 4 अप्रैल 1987

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'



[www.teachersofbihar.org](http://www.teachersofbihar.org)

Madhu priya